अभियान | 'पतझड़ के पत्ते कचरा नहीं हैं' अभियान सफल, नर्सरी में हुआ उपयोग, अब हर साल चलेगी मुहिम

सूखे पत्तों से बनी 'ग्रीन गोल्ड', चार कम्पोस्ट पिट जैविक खाद तैयार

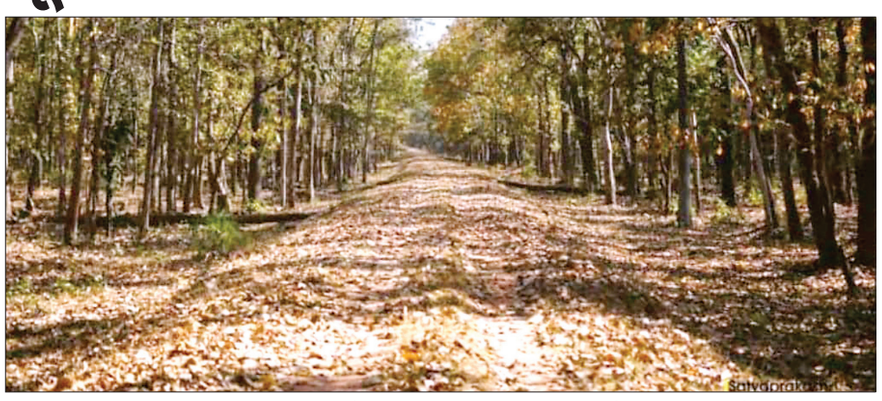

नवभारत,जबलपुर। जिन सूखे पत्तों को कभी कचरा समझकर जला दिया जाता था, वही अब नगर निगम के लिए 'ग्रीन गोल्ड' साबित हो रहे हैं। बीते स्प्रिंग सीजन में नगर निगम द्वारा चलाए गए 'पतझड़ के पत्ते कचरा नहीं हैं' अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अभियान के तहत एकत्रित सूखे पत्तों से चार कम्पोस्ट पिट जैविक खाद तैयार की गई, जिसका उपयोग नगर निगम की नर्सरी में पौधों और हरित क्षेत्रों के विकास में किया जा चुका है। सफलता से उत्साहित निगम अब इस अभियान को हर साल और बड़े स्तर पर चलाने की तैयारी कर रहा है।

नवभारत से बातचीत में नगर निगम के असिस्टेंट कमिश्नर संभव अयाची ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सूखे पत्तों को जलाने की परंपरा पर रोक लगाकर उनका वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित करना था। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पत्तों का संग्रह कर कम्पोस्ट पिट में जैविक खाद तैयार की गई, जिसकी गुणवत्ता बेहतर मिलने पर उसे निगम की नर्सरी में इस्तेमाल किया गया।

पत्ते जलाना नहीं, खाद बनाना है समाधान

अयाची ने कहा कि सूखे पत्तों को जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, जबकि इन्हीं पत्तों से तैयार जैविक खाद पौधों के लिए अत्यंत लाभकारी होती है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों को इसी सोच से जोड़ना था, जिसमें लोगों का अच्छा सहयोग भी मिला।

छह लीफ पिकर मशीनों से होता है संग्रह

नगर निगम के पास छह लीफ पिकर मशीनें उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर गिरे सूखे पत्तों का तेजी से संग्रह किया जाता है। इसके बाद इन्हें कम्पोस्ट पिट तक पहुंचाकर जैविक खाद तैयार की जाती है।

अब हर स्प्रिंग सीजन में चलेगा अभियान

नगर निगम का मानना है कि अभियान के उत्साहजनक परिणामों को देखते हुए इसे आने वाले प्रत्येक स्प्रिंग सीजन में और व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। इससे पत्ते जलाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा, जैविक खाद का उत्पादन बढ़ेगा और शहर की हरियाली को नई मजबूती मिलेगी।

फैक्ट फाइल

अभियान: पतझड़ के पत्ते कचरा नहीं हैं
कब चला: स्प्रिंग सीजन
उपलब्धि: चार कम्पोस्ट पिट जैविक खाद तैयार
उपयोग: नगर निगम की नर्सरी में
सुविधा: छह लीफ पिकर मशीनों से पत्तों का संग्रह
लक्ष्य: पत्ते जलाने पर रोक, जैविक खाद निर्माण और पर्यावरण संरक्षण

हायलाइट

जो पत्ते कभी धुएं में बदल जाते थे, वही पत्ते जैविक खाद के रूप में शहर की हरियाली को नई जिंदगी दे रहे हैं।

बदलती जीवनशैली में बढ़ रहा फास्टफूड का चलन

स्वाद और सेहत के बीच संतुलन बनाने की जरूरत

राष्ट्रीय जंक फूड डे फास्ट फूड को कम खाने और स्वस्थ्य खान -पान को बढ़ावा देता है

नवभारत , जबलपुर । हर वर्ष 21 जुलाई को राष्ट्रीय जंक फूड डे मनाया जाता है। यह दिन लोगों के पसंदीदा फास्ट फूड के प्रति बढ़ते आकर्षण को दर्शाता है, वहीं स्वस्थ खान-पान को लेकर जागरूकता बढ़ाने का अवसर भी माना जाता है। तेज़ रफ्तार जीवनशैली, व्यस्त दिनचर्या और ऑनलाइन फूड डिलीवरी की बढ़ती सुविधा के कारण जंक फूड का चलन लगातार बढ़ रहा है। बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज, मोमोज और अन्य फास्ट फूड अब बच्चों से लेकर युवाओं तक की पसंद बन चुके हैं। एक ओर ये कम समय में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं और स्वाद के कारण लोगों को आकर्षित करते हैं, वहीं दूसरी ओर इनका लगातार और अधिक सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी समस्याओं जैसी स्वास्थ्य चुनौतियों को बढ़ा सकता है। ऐसे में स्वाद का आनंद लेने के साथ-साथ संतुलित और पौष्टिक खान-पान को अपनाना भी उतना ही जरूरी है।

स्वाद और सेहत के बीच संतुलन ही सबसे बड़ा विकल्प

जंक फूड आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। इसकी आसान उपलब्धता और स्वाद इसे लोगों की पहली पसंद बनाते हैं, लेकिन इसका अत्यधिक सेवन शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। यदि जंक फूड का सेवन सीमित मात्रा में किया जाए और नियमित रूप से पौष्टिक भोजन, फल, हरी सब्जियां तथा शारीरिक गतिविधियों को अपनाया जाए, तो स्वाद और सेहत दोनों के बीच बेहतर संतुलन बनाया जा सकता है।

इनका कहना है

राष्ट्रीय जंक फूड डे स्वाद का आनंद लेने का अवसर जरूर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जंक फूड को नियमित खान-पान का हिस्सा बना लिया जाए। कभी-कभार सीमित मात्रा में जंक फूड खाया जा सकता है, लेकिन रोजाना इसका सेवन शरीर को जरूरी पोषक तत्वों से वंचित कर सकता है। खासकर बच्चों और युवाओं को अपने आहार में फल, हरी सब्जियां, दालें, दूध और प्रोटीन युक्त भोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्वस्थ जीवनशैली के लिए स्वाद और पोषण के बीच संतुलन बनाए रखना सबसे जरूरी है ।

राजीव मालवीय , डाइटीशियन

एक नजर में

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण को बचाने का संदेश

नवभारत, जबलपुर । पर्यावरण को बचाने के लिए जय नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में पारस समिति द्वारा पौधरोपण किया गया। इस दौरान पारस समिति के अध्यक्ष अक्षया जैन ने कहा पर्यावरण में आत्मीयता है और वह सुरक्षित है, हम स्वस्थ हैं हम पर्यावरण की दीर्घायु की कामना करते हैं। हर एक विद्यार्थी को अपने जीवन में अपने जन्मदिन पर एक पौधा अपने लिए लगाना चाहिए और उसकी सुरक्षा करना चाहिए। इस अवसर पर सचिव सीमा जैन, दीप्ति जैन, सविता श्रीवास्तव, पूनम दुबे, नेहा साहू, रूपा पटेल, प्रार्थना श्रीवास्तव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ़ उपस्थित उपस्थित रहा।

कुरील समाज ने उत्साह के साथ की पारंपरिक आषाढ़ी पूजा

नवभारत, जबलपुर। सदर में कुरील समाज द्वारा आषाढ़ी पूजा का भव्य आयोजन किया गया। लगभग 45 वर्ष बाद पूर्वजों की इस परंपरा को वास्तविक रूप से पुनर्जीवित कर बहुत ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस धार्मिक एवं सामाजिक उत्सव में जबलपुर, नरसिंहपुर और भोपाल से समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर कुरील समाज आषाढ़ी पूजा के अध्यक्ष दिलीप फूलचंद कुरील, विजय आनंद कुरील, सुधीर कुरील, अजय कुरील, शारदा कुरील, दिलीप मोहन लाल कुरील, रोहित कुरील, आशीष कुरील, चंद्रशेखर कुरील, प्रकाश राजन, ऋषि कुरील, धीरज कुरील, राहुल कुरील, रॉबिन कुरील, सुनील कुरील, विनोद कुरील एवं समिति के सभी सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मशीन वाले बाबा की दरगाह में अकीदत के साथ उर्स शरीफ सम्पन्न

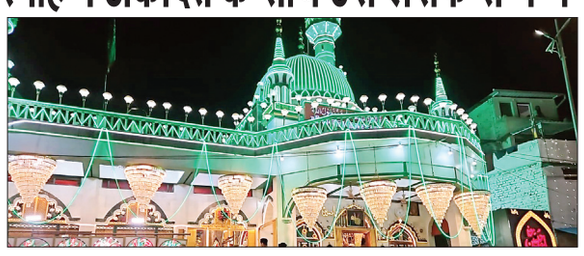

नवभारत,जबलपुर। घंटाघर स्थित हज़रत सआदत हुसैन नक्शबंदी 'मशीन वाले बाबा' की दरगाह में सालाना उर्स शरीफ अकीदत के साथ सम्पन्न हुआ। उर्स में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर दरगाह पर हाजिरी दी, चादर पेश की और नज़रो-नियाज़ पेश की। पूरी रात दरगाह शरीफ में जायरीनों का हुजूम लगा रहा।

उर्स के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों से सजी हुई चादर शरीफ के जुलूस दरगाह पहुंचे। बैंड-बाजों और शहनाई पर बज रही नातिया एवं मनकबती धुनों ने माहौल को पूरी तरह रूहानी बना दिया। इस अवसर पर दरगाह शरीफ को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था। नमाज़-ए-अस्र के बाद शाही संदल और चादर शरीफ मज़ार-ए-अक़दस पर पेश कर गुलपोशी की गई। इसके बाद मुल्क में अमन, तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं तथा अकीदतमंदों में तबर्रुक तकसीम किया गया। रात्रि में महफ़िल-ए-मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ, जिसमें नात-ओ-मनकबत पेश की गईं। नमाज़-ए-फ़ज्र के बाद कुल शरीफ की नियाज़ के साथ उर्स शरीफ का समापन हुआ। दरगाह शरीफ के खादिम हाजी मुहम्मद शफी ने उर्स में शिरकत करने वाले सभी अकीदतमंदों का शुक्रिया अदा किया।

प्रदेश में नवमीं बार अव्वल आया नगर निगम जबलपुर

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में मिली सफलता

नवभारत,जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार की अगुवाई में सक्रियता से कार्य कर रही उनकी टीम की मेहनत एवं मॉनिटरिंग रंग लाई है। सी.एम. हैल्पलाइन के माध्यम से नगर निगम को प्राप्त अधिकांश शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर नगर निगम ने वेटेज स्कोर के आधार पर 98.86 प्रतिशत प्राप्त कर प्रदेश में लगातार नवमीं बार अव्वल स्थान हासिल करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा कुल 3 हजार 8 सौ 01 शिकायतों में से लगभग 59.16 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण शिकायतकर्ताओं से चर्चा कर किया गया।

नगर निगम को इसके लिए सोमवार को मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जारी ग्रेडिंग लिस्ट में प्रदेश में नवमीं बार प्रथम रैंक ए ग्रेड के रूप में प्राप्त हुआ है। इस प्रकार नगर निगम जबलपुर के द्वारा अधिकतम प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक एवं सकारात्मक निराकरण किया गया।

टीम के सदस्यों को दी बधाई

निगमायुक्त ने इस उपलब्धि के लिए टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी और आगे भी इसी तरह से काम करने की प्रेरणा भी दी। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि शासन स्तर पर प्रतिमाह नगर निगम के कार्यो की ग्रेडिंग जारी की जाती है। जिसके अंतर्गत माह जून 2026 की ग्रेडिंग जारी हुई है, जिसमें जबलपुर को ए ग्रेड और प्रदेश के सभी नगर निगमों में लगातार नवमीं बार प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह निगम के लिए बड़ी उपलब्धि है।

नशामुक्त समाज के लिए पुलिस-व्यापारी संगठनों ने मिलाया हाथ

नशा मुक्त समाज बनाने दिया सन्देश

नवभारत,जबलपुर। प्रदेश सरकार के नशे से दूरी, दो कदम है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत सोमवार को कैंट थाना पुलिस प्रशासन और सदर व्यापारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा की नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य को भी प्रभावित करता है। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए पुलिस, समाज, परिवार और व्यापारिक संगठनों की साझा भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा की जनजागरूकता के माध्यम से ही नशे के खिलाफ प्रभावी माहौल बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। साथ ही नागरिकों से स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई। कार्यक्रम में सीएसपी कैंट उदयभान बागड़ी, कैंट थाना प्रभारी पुष्पेंद्र पटले तथा सदर व्यापारी संघ के अध्यक्ष हरीश केसवानी सहित डॉ. अजय वाधवानी, सुंदर अग्रवाल, संजय जैन, सतीश अग्रवाल, अमरचंद बावरिया, ज्ञानचंद गुप्ता, अधिवक्ता आशीष त्रिपाठी, वेद महावर, डॉ. ऋषि बावरिया, पंकज गुप्ता, सर्वेश बावरिया, बबलू भैया, रमन अग्रवाल, पुष्पेंद्र महाराज, नरवात गुप्ता, हीरा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों की सेवा और समस्याओं का होगा जल्द समाधान : करसोलिया

नवभारत, जबलपुर। जरूरतमंदों की सेवा के लिए हम हमेशा खड़े रहेंगे, कोशिश रहेगी कि पीड़ितों की समस्याओं का समाधान भी जल्द हो सके, ये बातें रोटरी क्लब जबलपुर प्रीमियर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामेन्द्र करसोलिया ने कहीं। मौका था रोटरी क्लब जबलपुर प्रीमियर के छठे स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह का। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामेन्द्र करसोलिया को अध्यक्षीय पद के लिए पूर्व अध्यक्ष आशुतोष प्यासी द्वारा बेल प्रदान कर पद ग्रहण कराया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सदस्य और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्रेसीडेंट आशुतोष प्यासी, सेक्रेटरी मोहसिन अंसारी और हरजस छाबड़ा उपस्थित रहे। इस समारोह का आभार प्रदर्शन डॉ. योगेश मोहन दुबे ने किया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष अमरेन्द्र पाण्डेय, सार्थक सेठी, आशीष शुक्ला, मनोज तिवारी, भावेश दुआ, डॉ. एल. के. पटेल, डॉ. शैलेष गुप्ता और डॉ. समीर वैद्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दक्षिण अफ्रीका में श्रमिकों के हितों को लेकर उठाई गई आवाज

नवभारत, जबलपुर। वैश्विक स्तर पर श्रमिकों की एकजुटता और उनके अधिकारों की रक्षा समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, ये बातें ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉयड फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड एस. एन. पाठक ने कहीं। मौका था जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सम्मेलन का। इस दौरान पाठक ने अपने संबोधन में श्रमिक अधिकारों की रक्षा, सम्मानजनक कार्य परिस्थितियों, सामाजिक सुरक्षा तथा श्रमिक संगठनों की भूमिका को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। एआईडीईएफ के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि भारतीय रक्षा कर्मचारियों की आवाज़ अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभावी रूप से उठाई जा रही है। इससे न केवल देश के रक्षा कर्मचारियों का सम्मान बढ़ा है, बल्कि विश्व स्तर पर भारतीय श्रमिक आंदोलन की गरिमा भी सुदृढ़ हुई है।

पार्षदों के साथ बनाए समन्वय, फील्ड पर उतरकर करें काम : निगमायुक्त

नवभारत, जबलपुर। शहर की मूलभूत सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सोमवार को अधीनस्थ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में निगमायुक्त ने लोककर्म, जल प्रदाय, विद्युत व्यवस्था और सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को फील्ड में उतरकर काम करने और पार्षदों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के कड़े निर्देश दिए ।

इस दौरान निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि नागरिकों को स्वच्छ और निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने जल संरक्षण की दिशा में विशेष प्रयास करने पर जोर दिया, ताकि भविष्य के लिए जल स्त्रोतों को सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने जल प्रदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लीकेज और दूषित पानी की शिकायतों पर तुरंत एक्शन लें।

संतुष्टि के बाद ही शिकायत को किया जाए बंद

नागरिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर निगमायुक्त बेहद गंभीर नजर आए। उन्होंने सीएम हैल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ फीडबैक लेकर बंद कराया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही लोककर्म विभाग की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा पर ध्यान देने की बात कही। बैठक में सभी विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

असर | मैदानों से दूरी बनाकर अधिकांश युवा दे रहे मोबाइल पर ध्यान,स्क्रीन पर व्यस्त नजर आ रहे अधिकतर युवा

मनोरंजन का बदलता चेहरा व्यवहार पर डाल रहा असर

नवभारत , जबलपुर । शहरों में अब पहले की तुलना में पार्क और खेल के मैदानों में बच्चों की संख्या कम दिखाई देती है, जबकि घरों, कैफे और सार्वजनिक स्थानों पर अधिकांश युवा मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त नजर आते हैं। डिजिटल तकनीक ने जहां मनोरंजन, शिक्षा और नई स्किल सीखने के कई अवसर दिए हैं, वहीं इसके बढ़ते उपयोग ने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। एक समय था जब शाम होते ही पार्क और खेल के मैदान बच्चों और युवाओं की आवाज़ों से गूंज उठते थे। लेकिन अब बदलती तकनीक और स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच ने मनोरंजन का तरीका बदल दिया है। मोबाइल गेमिंग, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने बच्चों और युवाओं का बड़ा समय अपने कब्जे में ले लिया है।

अधिक मोबाइल उपयोग करना हो सकता है खतरनाक

डिजिटल तकनीक बच्चों और युवाओं के मनोरंजन के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। जहां पहले स्कूल के बाद पार्क और खेल के मैदान बच्चों की गतिविधियों का केंद्र हुआ करते थे, वहीं अब मोबाइल गेमिंग, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यम उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा बन चुके हैं। तकनीक ने शिक्षा, नई स्किल सीखने और रचनात्मकता जैसे कई सकारात्मक अवसर दिए हैं, लेकिन अत्यधिक स्क्रीन टाइम आंखों पर प्रभाव, नींद की समस्या, मानसिक तनाव और डिजिटल लत जैसी चुनौतियां भी सामने ला रहा है। इसके विपरीत, आउटडोर खेल बच्चों और युवाओं के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास, अनुशासन, टीमवर्क और सामाजिक व्यवहार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इनका कहना है

आज कई बच्चे अपना अधिकांश खाली समय मोबाइल पर बिता रहे हैं। इससे उनका सामाजिक मेलजोल और शारीरिक गतिविधियां कम हो रही हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि बच्चों को स्क्रीन से दूर करने के बजाय उन्हें मैदान, खेल और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाए।

डॉ कीर्ति सैनी
मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ

लंबे समय तक स्क्रीन देखने से बच्चों और युवाओं में ध्यान केंद्रित करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है और व्यवहार में बदलाव भी देखने को मिल सकते हैं। नियमित व्यायाम और आउटडोर खेल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ गुरमीत सिंह
मनोचिकित्सक विशेषज्ञ

कांग्रेस ओबीसी विभाग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनीं देवकी पटेल

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर की छात्र नेत्री और एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग की महिला विंग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य नियुक्त किया गया है। अपनी इस नियुक्ति पर शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए देवकी पटेल ने कहा कि एआईसीसी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद, सचिव जितेंद्र बघेल और सचिव सुभाषिनी यादव द्वारा उन पर जताया गया भरोसा उनके लिए गौरव की बात है। देवकी ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा सामाजिक न्याय और समावेशी राजनीति का समर्थन किया है और पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व देकर इस संकल्प को मजबूत किया है।

पिछड़ा वर्ग के अधिकारों के लिए पूरी निष्ठा से करेंगी काम

इस दौरान देवकी ने स्पष्ट किया कि संगठन द्वारा सौंपी गई यह जिम्मेदारी केवल एक पद नहीं है, बल्कि यह समाज और ओबीसी वर्ग की महिलाओं की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का बड़ा दायित्व है। उन्होंने अपने समर्थकों का आभार जताते हुए संकल्प लिया कि वे कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, संगठन को मजबूत करने और ओबीसी समाज के अधिकारों के हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगी।